

सबसे पहले तुम्हे मनाऊँ गौरी सूत गणराज

सबसे पहले तुम्हे मनाऊँ,
गौरी सूत गणराज,
तुम हो देवों के सरताज,
दूँद दूँदाला सूँड़ सुन्डाला,
मस्तक मोटा कान, तुम हो देवों के सरताज.....

गंगाजल स्नान कराऊँ,
केसर चंदन तिलक लगाऊँ,
रंग बिरंगे फुल मे लाऊँ,
सजा सजा तुमको पह्लाऊ,
लम्बोदर गजवदन विनायक,
राखो मेरी लाज, तुम हो देवों के सरताज.....

जो गणपति को प्रथम मनाता,
उसका सारा दुख मीट जाता,
रिद्धि सिद्धि सुख सम्पति पाता,
भव से बेड़ा पार हो जाता,
मेरी नैया पार करो,
मैं तेरा लगाऊँ ध्यान, तुम हो देवों के सरताज.....

पार्वती के पुत्र हो प्यारे,
सारे जग के तुम रखवाले,
भोलेनाथ है पिता तुम्हारे,
सूर्य चन्द्रमा मस्तक धारें,
मेरे सारे दुख मीट जाये,
देवों यही वरदान, तुम हो देवों के सरताज.....

<https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/28651/title/sabse-pehle-tumhe-manau-gauri-sut-ganraj>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |